



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 5, 1985/ज्येष्ठ 15, 1907

No. 11]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 5, 1985/JYAISTHA 15, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त

(निरीक्षण) अर्जन रेज

कानपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ख (1) के अधीन सूचा

कानपुर, 27 मई, 1985

निर्देश नं० ए-454/84-85 अंतः मन्त्रि एम०के० भटनागर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसी  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक  
है और जिपकी सं० 102 है तथा जो आगरा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री की  
अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-84 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, लिखित उद्देश्यों के युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का  
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उक्तः—

1. प्रो० एच. माईकिल पुत्र ए० एफ० ए० माईकिल  
(अन्तरगत)  
लि०-102 सिविल लाइन्स हरी पर्वत वार्ड—आगरा
2. श्री सुलोभ सहकारी आवाश समिति लि० आगरा,  
अध्यक्ष श्री चंद वर्मा 2/71 हरी पर्वत वार्ड आगरा  
(अन्तरिती)
3. —  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्ची

सम्पत्ति नं० 102 हरी पर्वत वार्ड—आगरा

तारीख : 27-5-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY  
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE) 106/282,  
KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP.  
LANIN PARK, KANPUR

Notice under section 269D (1) of the Income-Tax  
Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, 27 May, 1985

A—454/84-85:—Whereas, I S.K. Bhat nagar being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 102 situated at Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered \*under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules 1962 under registration No .....s dated 26-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Pro H. Maykill,  
S/o Late E.L. Maykill,  
R/o 102 Civil Lines,  
Hari Purbat ward Agra.

(Transferor)

2. Sulobh Sahkari Awash,  
Samiti Ltd. Agra  
though—Adhyakach Shri Chand Verma  
2/71 Hari Purbat ward—Agra. (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Property No. 102 Hari Parbat ward Agra.

Dated 27-5-85

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं० एम० 157/85-86- अतः मुझे एप०के० भट-  
नागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित बाजार  
मूल्य 10,000/- के अधीन है और निम्नलिखित सं०.....  
है तथा जो नोईडा में स्थित है (और इन्हीं उक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री अर्थात् अधिकारी के  
कार्यालय नोईडा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उपलब्ध कराया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में  
वास्तविक रूप से प्रमाणित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति-  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का  
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मि० पन्ना लाल नरुला म० नं० 1244/ए-1  
ईस्ट रोहतक नगर शाहदारा दिल्ली 32 (अन्तरित)
2. डा० शशीश गुप्ता (अन्तरित)  
निवासी-61-62, माडल बस्ती,  
नई दिल्ली-11005

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध  
में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-49 - नोईडा।

तारीख : 27-5-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

M-157/85-86:—Whereas, I S.K. Bhatnagar being  
the Competent Authority authorised by the Central  
Government in this behalf under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter  
referred to as the said Act, have reason to believe  
that immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No .....  
situated at .....  
(and more fully described in the schedule below)  
has been transferred and registered \*under the regis-  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Noida under registration No  
1883 dated 17-9-84 for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the afore-  
said property by more than fifteen percent of such  
such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the trans-  
feror(s) and transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act, in respect of any income aris-  
ing from the transfer; and/or



- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Panna Lal Narula,  
H. No. 1244/A-1 East Rohtash Nager,  
Shahdra Delhi-32 (Transferor)
2. Dr. Satish Gupta,  
61—62 Model Basti,  
New Delhi (Transferee)
3. —  
(Persons in occupation of the property)
4. —  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot No. 49 XX Noida

Date : 27-5-85

Seal :

(Strike off where not applicable.)

विदेश नं० एम-161/85-86- अतः मुझे ए० नं० ३० भटनागर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 1970 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) के धारा 269ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,000/- के अधीन है और जिसकी संवे 31 है तथा जो पटेलनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गा० बाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के तारीख 26-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम : दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है अन्तर्गत (अन्तरको) आर अन्तर्गति (अन्तरितियों) का बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप में स्थित ही किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चंद गर्ग (अन्तरक)  
नि० II-ई 149 नेहरू नगर, गा० बाद
2. श्रीमती संतोष कुमारी अग्रवाल (अन्तरितियों)  
पत्नी— राजेन्द्र प्रकाश अग्रवाल  
नि०—अलोक पार्क, मोदी नगर, गाजियाबाद
3. —  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीपा शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

म 161 नं० जी-31, पैटेल नगर, गाज़ियाबाद

तारीख : 27-5-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

M-161/85-86.—Whereas, I, S.K. Bhattacharya being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31 situated at Patel Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 37877 dated 26/9/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Kailash Chand Garg,  
R/o II E. 149 Nehru Nagar,  
Ghaziabad (Transferor)
2. Smt. Santosh Kumari Agrawal,  
W/o Rajender Prakash  
R/o Alok Park Modi Nagar,  
Ghaziabad. (Transferee)
3. -do-  
(Person in occupation of the property)
4. -do-  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

House No. G-31 Patel Nagar, Ghaziabad.

Date : 27-5-85

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. एम-1618/84-85:—अतः मुझे, एम. के. भट्टनागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी स. खाना नं. 454 है तथा जो शामली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैलाश में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वयण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् —

- 1 श्री रमेश कुमार पुत्र हनुमान सिंहबुधाना—  
मुजफ्फर नगर (अन्तरगत)
- 2 सिक्का पेपर प्रा. लि., ग्रामली कैराना—मुजफ्फरनगर (अन्तरिणी)
- 3 — श्री  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 — श्री  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाता नं. 554 गा. सिक्का-ग्रामली, मुजफ्फरनगर

तारीख 27-5-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-1618/84-85.—Whereas, I, S.K. Bhagnagar being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act have reason to believe that immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing khata No. 554 situated at Samli (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 5303 dated 28-9-84 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Rakesh Kumar  
S/o Har Pal Singh  
R/o Budhana—Muzaffar Nagar (Transferor)
2. Shri Sikka Papers Pvt. Ltd.  
Samli Kairana  
Muzaffar Nagar (Transferee)
3. Shri -do-  
(Person in occupation of the property)
4. Shri -do-  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Khata No. 554 Village Sikha, Samli, Muzaffar Nagar.

Dated : 27th May, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं० एम० 1618/84-85—अनं. मुझे, एम० के० बटनगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 671 खाता है तथा जो सिक्का में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन् की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिन् (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिन् द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ;

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री गंगन सिंह या. विराल—  
कांधला—बुढाना जि. मुजफ्फरनगर (अन्तरक)
2. सिक्का पेपर्स प्रा. लि., हैड आफिस मुभाष चौक—  
शामली जि. मुजफ्फरनगर (अन्तरिन्)
3. श्री/श्रीमती —  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती —  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खाता सं. 671 ग्राम सिक्का—शामली

तारीख 27-5-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

M-1619/84-85.—Whereas, I, S.K. Bhatnagar being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Khatta 671 situated at Village Sikka (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No 5379 dated 28-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Har Pal Singh  
S/o Shri Roshan Singh  
R/o Viral, Kandhla Distt. M. Nagar (Transferor)
2. Shri Sikka Papers Pvt. Ltd.  
H.O. Sulhash Samli Dist. M. Nagar (Transferee)



3. Shri/Smt. -do-

(Person in occupation of the property)

4. Shri/Smt. -do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Khata No 671—Village Sikka Samli Distt. M. Nagar

Date : 27-5-85

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश नं. के.-248/84-85:—अतः मुझे, एस. के. भटनागर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. 40/55 है तथा जो नया चौक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ऋण या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की डा धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमाल रईम एवं अन्य पुत्र रईम मोहम्मद, रे./आ. 40/55 नया चौक, कानपुर (अन्तरक)

2. फैजाम एसोसिएसन द्वारा, सरताज अहमद, कानपुर (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी —तदैव—  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी —तदैव—  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं. 40/55 नया चौक, कानपुर

तारीख 15-5-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिए)

(एस. के. भटनागर), सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर



K-248/84-85.—Whereas, I, S.K. Bhatnagar being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 40/55 situated at Naya Chowk Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at the Kanpur under registration No 16552 dated 18-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Kamal Rais, Iqbal Rais & Suhail Rais  
S/o Sri Rais Mohd. 40/55, Naya Chowk Kanpur  
(Transferor)

2. Shri Faizam Association through Santaz Ahmad  
Kanpur  
(Transferee)

3. Shri/Smt. -do-  
(Person in occupation of the property)

4. Shri/Smt. -do-  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

House No. 40/55, Naya Chowk, Kanpur

Date : 15-5-85

SEAL :

(Strike off where not applicable)

S.K. BHATNAGAR,

COMPETENT AUTHORITY

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax (Acquisition Range), Kanpur

